# मुख कैन्सर उपचार : नयी सम्भावनायें

मुख कैन्सर एक तम्बाकु जनित कैन्सर है। जो भारत में सभी कैन्सरो का 25% से 30% होता है, जबकि पाश्चात्य देशो में सभी कैन्सरो का मात्र 4% से 5% ही होता है।

तम्बाकू, गुटखा और पान मसाला चबाने वालो में मुख कैन्सर रातो रात नही बनता है। वस्तुतः इन पदार्थो को सेवन करने वालो में पहले मुख कैन्सर की पूर्वावस्थाये पनपती है, तदपरान्त अनवरत सेवन के चलते मुख कैन्सर के लक्षण दिखायी देने लगते है।

पान मसाला, गुटखा चबाने वालो को कैन्सर के प्रति जागरुक करना इस देश की प्राथमिकता होनी चाहिये। जे0 के0 कैन्सर संस्थान में सम्पन्न तमाम सर्वे इस तथ्य को समग्रता से रेखांकित करते है। मुख कैन्सर से बचाव में जागरुकता का कोई विकल्प नही है। सरकारी प्रतिबन्ध की प्रतीक्षा सभी को है पर इसके लगते –लगते तमाम घर बर्बाद हो रहे है।

वे सभी लोग जो मुख कैन्सर के संम्भावित खतरे के दायरे में है और सभी सामाजिक संगठनो को निम्न तीन लक्षणो को मुख कैन्सर के चेतावनी लक्षणो के रुप में सभी को याद कर लेना चाहिये, ताकि लोग सही समय पर कैन्सर विशेषज्ञ को दिखा कर कैन्सर से बच सके। ये लक्षण निम्नवत है

1. यदि मुख के अन्दर भूरे, सफेद या लाल चकत्ते हो।
2. यदि मुख दांतो के बीच चार सेमी0 से कम खुले अथवा खडी हथेली की चार अंगुलियां मुख के अन्दर न जा पाये।
3. यदि मुख के अन्दर कोई ठीक न होने वाला छाला या घाव दिखायी दे।

मुख कैन्सर बनने के पहले मुख की कोशिकाओ में तमाम संरचनात्मक और रसायनिक बदलाव होते है। कैन्सर की पूर्वावस्था में ही एक रिसेप्टर जिसे ई0जी0एफ0आर0 कहते है, कैन्सर की कोशिकाओ पर नजर आने लगता है। 90% से अधिक मुख कैन्सर में तो यह निशचित रुप से मौजुद रहता है। जे0 के0 कैन्सर संस्थान के शोध कार्यो ने यह स्पष्ट कर दिया है।

ई0जी0एफ0आर0 रिसेप्टर कैन्सर कोशिकाओ की अनियंत्रित बढत के लिये जिम्मेदार होता है। अतः जेफटीनिब नाम की दवा इसे निष्क्रिय करने के लिये मुख कैन्सर की बढी हुई अवस्था में दी जाती है।

जे0 के0 कैन्सर संस्थान में सम्पन्न हुये शोध कार्य में इस दवा से कैंसर की पूर्वावस्था में देने पर कैंसर की रोकथाम संभव होती दिखाई दे रही है ।

डा0 अवधेश दीक्षित
निदेशक
जे0 के0 कैंसर संस्थान, कानपुर